भारत सरकार **लोक सभा**
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं.4847**
वाणिज्य विभाग

दिनांक 01 अप्रैल, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

एसपीआईसीईडी योजना

4847. श्री अ. मनि:

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तमिलनाडु, विशेषकर धर्मपुरी निर्वाचन क्षेत्र में सस्टेनेबिलिटी इन स्पाइस सेक्टर थ्रू प्रोग्रेसिव इनोवेटिव एंड कॉलबोरेटिव इंटरवेनशन्स फॉर एक्सपोर्ट डेवलेपमेंट (एसपीआईसीईडी) योजना के अंतर्गत किसानों को प्रदान की गई सहायता का ब्यौरा क्या है;

(ख) तमिलनाडु में अब तक इस योजना से लाभान्वित होने वाले मसाला किसानों और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की संख्या कितनी है;

(ग) राज्य में मसालों की गुणवत्ता, उत्पादकता और निर्यात क्षमता को बढ़ाने के लिए क्या विशिष्ट पहलें की गई हैं; और

(घ) क्या तमिलनाडु में मसाला किसानों को कोई वित्तीय, तकनीकी या अवसंरचना सहायता प्रदान की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (घ): मसाला बोर्ड "निर्यात विकास हेतु प्रगतिशील, अभिनव और सहयोगात्मक कार्यकलापों के माध्यम से मसाला क्षेत्र में सततता" (स्पाइस्ड) स्कीम के अंतर्गत तमिलनाडु सहित देश भर में छोटी एवं बड़ी इलायची के विकास, फसलोत्तर सुधार एवं मसालों के निर्यात संवर्धन के लिए विभिन्न कार्यक्रम एवं कार्यकलाप चलाता है। इस स्कीम के तहत वर्ष 2024-25 में, मसाला बोर्ड ने तमिलनाडु के 939 किसानों को सहायता प्रदान की है जिसमें एफपीओ के 4 सदस्य शामिल हैं। धर्मपुरी में, मसाला बोर्ड ने 201 किसानों को

सहायता प्रदान की है जिसमें एफपीओ का 1 सदस्य शामिल हैं। मसाला बोर्ड द्वारा तमिलनाडु में उपरोक्त कार्यक्रमों और कार्यक्रलापों के लिए वर्ष 2024-25 में कुल 1.16 करोड़ रुपये व्यय किए गए थे।

भारत सरकार मसालों सहित बागवानी फसलों के उत्पादन और उत्पादकता में सुधार लाने के लिए केन्द्र प्रायोजित स्कीम "एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच)" कार्यान्वित करती है। इस योजना के प्रमुख घटक है क्षेत्र का विस्तार करना (नए उद्यान की स्थापना), गुणवत्ता रोपण सामग्री का उत्पादन और वितरण, एकीकृत कीट और रोग प्रबंधन/एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, जैविक खेती, मशीनीकरण, एकीकृत कटाई पश्चात प्रबंधन, मानव संसाधन का विकास करना आदि हैं। ये कार्यक्रम मुख्य रूप से संबंधित राज्य बागवानी मिशनों के माध्यम से विभिन्न राज्यों में कार्यान्वित किए जाते हैं।

उपरोक्त कार्यक्रमों के अलावा, सुपारी और मसाला विकास निदेशालय (डीएएसडी) किसानों के लाभ के लिए तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर के माध्यम से तमिलनाडु में मसालों के लिए निम्नलिखित विकास कार्यक्रमों को सीधे कार्यान्वित करता है।

- मसालों की गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री का उत्पादन करना
- बीज भंडारण और प्रसंस्करण अवसंरचना की स्थापना करना
- नर्सरी संरचनाओं की स्थापना करना
- मुंडू मिर्च की जीआई किस्म को बढ़ावा देना
- मसालों के फ्रंट लाइन प्रदर्शन की स्थापना करना
- अदरक में जैविक खेती के लिए फ्रंट लाइन प्रदर्शन की स्थापना
- सेमिनार / कार्यशाला / किसान प्रशिक्षण।

निदेशालय ने वर्ष 2024-25 के दौरान तमिलनाडु में 96.875 लाख रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ एमआईडीएच कार्यक्रमों को क्रियान्वित किया है।

****